पंचम राज्य स्तरीय व्यावहारिक कला प्रदर्शनी

2024–2025

(पोस्टर, प्रेस-लेआउट एवं फोटोग्राफी)
विषय : महाकुम्भ एवं भारतीय संस्कृति

शेडयूल, प्रविष्टि शुल्क तथा छायाचित्रों को जमा करने की तिथि

20 अक्टूबर, 2024 से 30 नवम्बर, 2024 तक

विवरण-पत्र

राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0

(संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश)
लाल बारादरी भवन, ललित कला अकादमी मार्ग, कैसरबाग, लखनऊ - 226001
slka_up@yahoo.com www.statelalitkalaacademyup.org 0522-2616033
@slka_up State Lalit Kala Akademi

राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश

संक्षिप्त परिचय

दृश्यकला के प्रोत्साहन एवं उन्नयन के लिए स्थापित इस अकादमी द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा इस प्रकार है कि छात्र–छात्राओं के साथ ही स्थापित एवं वरिष्ठ कलाकारों को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रोत्साहित एवं सम्मानित किया जा सके। यही नहीं अकादमी द्वारा प्रदेश के वृहद क्षेत्र के दूरस्थ जिलों में कलाकारों तक अपनी योजनाओं के माध्यम से जन–सामान्य व कलाकारों को जुड़ने का अवसर प्रदान किया जाता है। क्षेत्रीय स्तर पर कलाकारों को प्रतियोगात्मक आयोजन व पुरस्कार की श्रृंखला राज्य एवं राष्ट्र स्तर तक क्रियान्वित की जाती है। पुरस्कारों की श्रृंखला में क्षेत्रीय, राज्य स्तरीय, अखिल भारतीय स्तर के पुरस्कार, युवा कलाकारों को प्रदर्शनी आयोजन के लिए आर्थिक सहयोग के साथ निर्धारित नियमों के अन्तर्गत निःशुल्क वीथिका आरक्षण, छात्रवृत्ति, उत्तर प्रदेश के कलाकारों को राज्य, राष्ट्र स्तर पर स्थापित करने के अंतर्गत युवा एवं वरिष्ठ कलाकारों की प्रदर्शनी, अंतर्राज्य विनिमय के अंतर्गत देश के अन्य राज्यों के साथ आदान–प्रदान, वरिष्ठ कलाकारों का विभिन्न अवसरों पर सम्मान व अति विशिष्ट कलाकारों को अकादमी द्वारा अधिसदस्यता सम्मान प्रदान किया जाता है। युवा कलाकारों को अधिक से अधिक प्रशिक्षण, प्रोत्साहन के लिए विभिन्न माध्यमों की कार्यशालायें, कला शिविर, कला प्रतियोगितायें आयोजित की जाती हैं। कला विषयक प्रकाशनों के साथ सेमिनार, संगोष्ठी आदि के माध्यम से समकालीन कला के विभिन्न पक्षों को उजागर करने का प्रयास किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2023–24 से अकादमी द्वारा प्रतिश्ठित पदमश्री बाबा योगेन्द्र कला सम्मान का शुभारम्भ किया गया है। इसके अन्तर्गत रू0 51000/– की सम्मान राशि, अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह प्रदान किया जाता है।

वैश्विक सांस्कृतिक आदान–प्रदान की योजना के अंतर्गत विभिन्न दूतावासों / केन्द्र सरकार के माध्यम से समय–समय पर अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों की प्रदर्शनी का आयोजन भी अकादमी द्वारा किया जाता है।

युवा पीढ़ी को दृश्यकला में अभिरूचि जाग्रत करने के उद्देश्य से सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में ग्रीष्मकालीन कार्यशालायें व कला में अभिरूचि रखने वाले 18 वर्ष से ऊपर किसी भी आयु के नागरिकों को रचनात्मक कला प्रशिक्षण की व्यवस्था स्ववित्तपोषित रूप से संचालित की जाती है।उत्तर प्रदेश के ऐसे कलाकारों को जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं उनके लिए कलाकार कल्याण कोष की स्थापना की गई है जिसके माध्यम से कलाकारों को बीमारी आदि में आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।कुम्भ हमें आध्यात्मिक उर्जा देता है, हर्ष एवं सौभाग्य का विषय है कि इस वर्ष प्रयागराज में महाकुम्भ–2025 का आयोजन प्रयागराज, उ0प्र0 में होने जा रहा है, इस सत्र की दृश्य कला कार्यक्रम व प्रदर्शनी महाकुम्भ को समर्पित है तो आइए हम सब मिलकर इस महा पर्व पर आयोजित कार्यक्रमों एवं प्रदर्शनी में भाग लेकर पुण्य के भागीदार बनें।

–: मुख्य गतिविधियाँ :–

1 उत्तर प्रदेश राज्य की वार्षिक कला प्रदर्शनियाँ एवं पुरस्कार।
2 हर तीसरे वर्ष अखिल भारतीय कला प्रदर्शनी एवं पुरस्कार।
3 अखिल भारतीय छायाचित्र कला प्रदर्शनी एवं पुरस्कार ।
4 क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी एवं पुरस्कार।
5 वरिष्ठ कलाकारों की रिट्रास्पेक्टिव/ आमंत्रित कला प्रदर्शनियाँ।
6 राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय व अंतक्षेत्रीय प्रदर्शनियों का आयोजन।
7 अंतर्राज्य विनिमय कला प्रदर्शनियों का आयोजन।
8 कला–जागरूकता के ध्येय से संग्रहीत कृतियों की प्रदर्शनियां, व्याख्यान, चलचित्रों एवं पारदर्शियों का प्रदर्शन।
9 प्रतिभाशाली कलाकारों को उच्च शिक्षा के लिये छात्रवृत्तियाँ/एकल कला प्रदर्शनी आयोजन हेतु आर्थिक सहायता।
10 विशिष्ट कलाकारों, कला समीक्षकों, कलाविदों, कला इतिहासकारों को अकादमी अधिसदस्यता सम्मान।
11 डॉ० राधाकमल मुखर्जी की स्मृति में कला व्याख्यानमाला।
12 व्याख्यान, सेमिनार व कला संगोष्ठियाँ।
13 अखिल भारतीय तथा प्रदेश स्तरीय कला शिविरों का विभिन्न माध्यमों/ विधाओं में आयोजन4क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी एवं पुरस्कार।
14 स्थायी कला संग्रह के लिये कलाकृतियों का क्रय।
15 कला– पुस्तकालय एवं वाचनालय की सुविधा उपलब्ध।
16 प्रदेश की कला संस्थाओं को मान्यता व कला गतिविधियों हेतु अनुदान प्रदान करना।
17 कला सम्बन्धी पुस्तकों, पत्रिकाओं, मोनोग्राफ, पोर्टफोलियो, पिक्चर पोस्टकार्ड आदि का प्रकाशन।
18 कला गतिविधियों के लिये वीथिका एवं श्रोतागार के आरक्षण की सुविधा।
19 रचनात्मक कला केन्द्र के माध्यम से कलाकारों को सृजन कार्य की सुविधा ।
20 विक्रय केन्द्र द्वारा प्रकाशनों एवं कलाकृतियों का विक्रय ।
21 कला पत्रिका "कला त्रैमासिक" का प्रकाशन।
22 पदमश्री बाबा योगेन्द्र कला सम्मान।

पंचम राज्य स्तरीय व्यावहारिक कला प्रदर्शनी - 2024-2025

(पोस्टर, प्रेस-लेआउट एवं फोटोग्राफी)

विषय : महाकुम्भ एवं भारतीय संस्कृति

राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0, (निकट पुराना हाईकोर्ट) लाल बारादरी भवन, ललित कला अकादमी मार्ग, कैसरबाग, लखनऊ-226001

शेड्यूल, प्रविष्टि शुल्क तथा छायाचित्रों को जमा करने की तिथि : 20 अक्टूबर, 2024 से 30 नवम्बर, 2024 तक

अपूर्ण सूची (शेड्यूल) निरस्त कर दी जायेगी।

पोस्टर/प्रेस-लेआउट/फोटोग्राफी

(जिस माध्यम से प्रविश्टि दी गयी हो उसे टिक करें)

प्रतियोगिता के लिये हैं/नही हैं

निदेशक,
राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश,
लाल बारादरी भवन, ललित कला अकादमी मार्ग,
(निकट पुराना हाईकोर्ट) कैसरबाग लखनऊ – 226001

महोदय/ महोदया,
विवरण पत्र में दिये नियम तथा अधिनियम को स्वीकार करते हुए हम निम्नलिखित कृतियों के छायाचित्रों को जिनका विवरण निम्नवत है, को पंचम राज्य स्तरीय व्यावहारिक कला प्रदर्शनी 2024–2025 में प्रदर्शन हेतु प्रस्तुत कर रहे हैं/रही हूँ।

क0सं0	कृति का शीर्षक (हिन्दी / अंग्रेजी में)	माध्यम श्रेणी	माप से0मी0	निर्मित किये जाने का वर्ष	मूल्य		बीमा मूल्य
					शब्दों में	अंको में	
1.							
2.							
3.							

प्रदर्शक/कलाकार का नाम श्री/श्रीमती/कु० .....

पत्राचार का पता .....

.....

कलाकार का नाम

कुल नाम पहले हर शब्द के बाद एक खाना छोड

फोन नं0 .....

ई–मेल .....

दिनांक .....

हस्ताक्षर कलाकार / प्रदर्शक

कृपया स्पष्ट करें कि प्रदर्श पोस्टर, प्रेस–लेआउट एवं फोटोग्राफी में है।

1. कलाकार की घोषणा मैं घोषणा करता हूँ कि मेरे द्वारा सूची (शेड्यूल) में दी गयी कृतियाँ कभी किसी राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में प्रदर्शित नहीं हुई हैं और ये 01–01–2024 के बाद बनाई गई हैं।
2. प्रवेश शुल्क की धनराशि रु.500/– नकद / मनीआर्डर / बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक द्वारा भेजी जा रही है

दिनांक .....

हस्ताक्षर कलाकार

कार्यालय के प्रयोगार्थ

रसीद संख्या ..... दिनांक ..... धनराशि .....

नगद / मनीआर्डर/बैंक ड्राफ्ट ..... हस्ताक्षर .....

पंचम राज्य स्तरीय व्यावहारिक कला प्रदर्शनी 2024-25 आयोजन लखनऊ

कलाकार/प्रदर्शक का नाम ....
....
पता ....
....
प्रदर्श का शीर्षक ....
मूल्य ....
माध्यम ....

दिनांक   हस्ताक्षर

पंचम राज्य स्तरीय व्यावहारिक कला प्रदर्शनी 2024-25 आयोजन लखनऊ

कलाकार/प्रदर्शक का नाम ....
....
पता ....
....
प्रदर्श का शीर्षक ....
मूल्य ....
माध्यम ....

दिनांक   हस्ताक्षर

पंचम राज्य स्तरीय व्यावहारिक कला प्रदर्शनी 2024-25 आयोजन लखनऊ

कलाकार/प्रदर्शक का नाम ....
....
पता ....
....
प्रदर्श का शीर्षक ....
मूल्य ....
माध्यम ....

दिनांक   हस्ताक्षर

पंचम राज्य स्तरीय व्यावहारिक कला प्रदर्शनी 2024-25 आयोजन लखनऊ

कलाकार/प्रदर्शक का नाम ....
....
पता ....
....
प्रदर्श का शीर्षक ....
मूल्य ....
माध्यम ....

दिनांक   हस्ताक्षर

पंचम राज्य स्तरीय व्यावहारिक कला प्रदर्शनी 2024-25 आयोजन लखनऊ

कलाकार/प्रदर्शक का नाम ....
....
पता ....
....
प्रदर्श का शीर्षक ....
मूल्य ....
माध्यम ....

दिनांक   हस्ताक्षर

पंचम राज्य स्तरीय व्यावहारिक कला प्रदर्शनी 2024-25 आयोजन लखनऊ

कलाकार/प्रदर्शक का नाम ....
....
पता ....
....
प्रदर्श का शीर्षक ....
मूल्य ....
माध्यम ....

दिनांक   हस्ताक्षर

सेवा में,
निदेशक,
राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0
लाल बारादरी भवन, ललित कला अकादमी मार्ग
निकट पुराना हाईकोर्ट, लखनऊ-226001 उ0प्र0।

भेजने वाले का नाम और पता :-
प्रेषण पर्ची (पैकेट पर ऊपर चिपकाएं)
पंचम राज्य स्तरीय व्यावहारिक कला प्रदर्शनी 2024-25 उपयोगार्थ
.... से .... तक
प्रेशण का साधन :

रेल मार्ग/हवाई मार्ग/रजि0 पार्सल/डाक द्वारा

पंचम राज्य स्तरीय व्यावहारिक कला प्रदर्शनी - 2024-2025

(पोस्टर, प्रेस–लेआउट एवं फोटोग्राफी)

विषय : महाकुम्भ एवं भारतीय संस्कृति

राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0, (निकट पुराना हाईकोर्ट) लाल बारादरी भवन, ललित कला अकादमी मार्ग, कैसरबाग, लखनऊ–226001

शेडयूल, प्रविष्टि शुल्क तथा छायाचित्रों को जमा करने की तिथि : 20 अक्टूबर, 2024 से 30 नवम्बर, 2024 तक

पुरस्कार :–

1. श्रेश्ठ कलाकृतियों के लिये 10 कलाकारों को रु. 20,000/– (रु0 बीस हजार) प्रति का पुरस्कार दिया जायेगा।
2. ये पुरस्कार राज्य ललित कला अकादमी उ0प्र0 के **पंचम राज्य स्तरीय व्यावहारिक कला प्रदर्शनी 2024–25** के नाम से होंगे।
3. **पंचम राज्य स्तरीय व्यावहारिक कला प्रदर्शनी 2024–25** के लिये कार्यकारिणी समिति द्वारा गठित निर्णायक समिति सभी दस पुरस्कार देने को बाध्य नहीं होगी यदि उसकी दृष्टि में दस से कम कलाकृतियाँ ही उस योग्यता की है। किसी भी दशा में पुरस्कार राशि को कम करके विभाजित नहीं किया सकता है।

विषय :–

4. सम्पूर्ण प्रदर्शनी का विषय महाकुम्भ एवं भारतीय संस्कृति है। अतः इससे सम्बन्धित किसी भी प्रसंग/कथानक पर प्रविष्टि भेजी जा सकती है।

सामान्य :–

5. निर्णायक मण्डल द्वारा प्रथम चरण में प्राप्त प्रविष्टियों में से प्रदर्शन हेतु कलाकृतियों का चयन छायाचित्रों से किया जायेगा। द्वितीय चरण में निर्णायक मण्डल द्वारा प्राप्त मूल कृतियों में से पुरस्कार हेतु निर्णय लिया जायेगा। निर्णायक मण्डल का निर्णय अंतिम होगा तथा इस सम्बन्ध में कोई भी पत्र व्यवहार मान्य नहीं होगा।
6. कला प्रदर्शनी में भाग लेने वाले कलाकारों को पता परिवर्तन की सूचना अकादमी को तुरन्त देनी होगी। अकादमी किसी भी गलत पते की वजह से नुकसान की जिम्मेदार नहीं होगी।
7. समस्त पत्र व्यवहार का पता है– निदेशक, राज्य ललित कला अकादमी, उ. प्र. लाल बारादरी भवन, ललित कला अकादमी मार्ग, (निकट पुराना हाईकोर्ट) कैसरबाग, निकट पुराना हाईकोर्ट लखनऊ–226001 उत्तर प्रदेश।
8. विवरण पत्र में दिये गये किसी भी नियम की अवहेलना से कृतियों की प्रविष्टि निरस्त की जा सकती है।
9. सभी प्रतिभागी कलाकार निःशुल्क सूची पत्र (केटलाग) के हकदार होंगे।

कृतियाँ :–

10. **पंचम राज्य स्तरीय व्यावहारिक कला प्रदर्शनी 2024–25** में चयन हेतु अधिकतम तीन कृतियों के दो–दो छायाचित्र देने होगें। कृतियों के 6X8 आकार के सुस्पष्ट रंगीन छायाचित्र देने आवश्यक होंगे। छायाचित्र के पीछे कलाकार का नाम व पता नहीं होगा, केवल कृति का शीर्षक, माध्यम, मूल्य, आकार एवं निर्मित किये जाने का वर्ष लिखा जायेगा। समस्त कृतियाँ 01–01–2024 के बाद की निर्मित होनी चाहिए।
11. प्रतियोगिता में प्रतिभागिता हेतु न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए। पूर्व किसी भी राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में प्रदर्शित कृतियाँ मान्य नहीं होंगी।
12. किसी भी चयनित कृति की प्रतिकृति तैयार करने का अधिकार अकादमी को होगा। प्रदर्शनी के लिये चयनित किसी भी कृति को अकादमी प्रचार–प्रसार एवं पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित/उपयोग कर सकती है।
13. 30 नवम्बर, 2024 के बाद प्राप्त प्रविष्टियों चयन प्रक्रिया से वंचित रहेंगी।
14. कोई भी प्रदर्शक जिसकी कृतियाँ प्रदर्शित हैं, उसे अपनी कृति को प्रदर्शनी समाप्त होने के पूर्व हटाने का अधिकार न होगा।
15. प्रवेश शुल्क की प्राप्ति के बिना कोई भी कलाकृति चयन हेतु निर्णायक मण्डल को प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
16. कलाकृति प्रेषित करने से ही समझा जायेगा कि दिये गये सारे नियम तथा अधिनियम मान्य हैं।

प्रस्तुतीकरण एवं लेबल लगाना :–

17. कृतियों को उचित चौखट युक्त (फ्रेम्ड) होना चाहिये।
18. प्रत्येक कृति के पीछे लेबल होने चाहिये। लेबल विवरण पत्र के साथ भेजे जा रहे हैं।

सूची :–

19. संलग्न सूची (शेडयूल) तथा परची सही–सही भरें और अपने कला जीवन वृतान्त (बायोडेटा) के साथ डाक से भेजें या फिर स्वयं आकर सचिव, राज्य ललित कला अकादमी, उ.प्र. से रसीद लेकर 20 अक्टूबर, 2024 से 30 नवम्बर, 2024 तक जमा करें। कृपया इस सम्बन्ध में सुसंगत नियम संख्या 34 एवं 35 भी देखे।
20. आवेदन प्राप्त करने के बाद सूची (शेडयूल) में परिवर्तन सम्भव नहीं है। सूची (शेडयूल) के विवरण से पीछे लेबल का विवरण मिलना चाहिये, न मिलने की दशा में सूची (शेड्यूल) में दिया विवरण अन्तिम माना जायेगा।
21. सूची (शेड्यूल) अकादमी द्वारा प्रेषित प्रपत्र पर ही होना चाहिये। कलाकार को स्पष्ट इंगित करना होगा कि उसकी प्रविष्टि पोस्टर, प्रेस लेआउट अथवा फोटोग्राफी में है।

प्रवेश शुल्क :–

22. प्रति कलाकार प्रवेश शुल्क रुपये 500/– (रूपये पाँच सौ) मात्र अधिकतम् तीन कृतियों के लिये है। प्रवेश शुल्क लौटाया नहीं जायेगा।

प्रेषण :–

23. प्रवेश शुल्क नगद/मनी आर्डर / बैंक ड्राफ्ट / बैंकर्स चेक द्वारा भेजा जाय जो निदेशक, राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश, लाल बारादरी ललित कला अकादमी मार्ग (निकट हाईकोर्ट) कैसरबाग, लखनऊ–226001 उत्तर प्रदेश के पक्ष में देय हो। किसी अन्य रूप में प्राप्त प्रवेश शुल्क मान्य नहीं होगा।
24. मनी आर्डर कूपन पर नीचे लिखी सूचना आवश्यक है:
    (अ) भेजने वाले का नाम और पता (ब) भेजी गयी धनराशि (स) भेजने का उद्देश्य
25. सूची (शेडयूल) प्राप्त होने के पहले प्रवेश शुल्क निर्धारित समय, जो 20 अक्टूबर 2024 से 30 नवम्बर, 2024 तक अकादमी को प्राप्त होना चाहिए।

पैकिंग तथा भेजना :–

26. कृतियों को मजबूत बक्सों में रखना चाहिये ताकि वे रेल/यातायात/कोरियर में सुरक्षित रहें। यदि रेलवे किसी पैकेज को अनुपयुक्त कहकर नहीं स्वीकार करती है तो अकादमी की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
27. प्रदर्शकों को सलाह दी जाती है कि वह बक्सों को रेलवे ट्रान्जिट बीमा के अंतर्गत (अपने खर्चे पर भेजें जिससे रेलवे उसके प्रबंध में सतर्कता बरते।
28. बक्से के ढक्कन को पेच से कसा जाय, कीलों से नहीं। हर ढक्कन में अन्दर की तरफ एक पैकिंग सूची होनी चाहिये जिसमें विस्तार से कलाकार / प्रदर्शक का नाम, पता तथा अन्य उसमें रखी वस्तुओं की सूची होनी चाहिये।
29. कला प्रदर्शनी के लिये भेजे गये समस्त पैकेज जिनमें प्रदर्श रखे हैं चाहे रेल, एयर मेल या डाक से भेजे गये हों उन पर अंकित होना चाहिये:
    "अंतर्वस्तु पंचम राज्य स्तरीय व्यावहारिक कला प्रदर्शनी 2024–2025, लखनऊ के लिये है।"
30. प्रेषण पर्ची जो विवरण पत्र के साथ भेजी गयी है उसे बक्से / पार्सल के ऊपर चिपकाना चाहिये। पार्सल लखनऊ स्टेशन के लिये बुक किया जाय। सारे पैकेज पूर्व फ्रेट पेड होने चाहिये तथा उन पर पताः
    निदेशक, राज्य ललित कला अकादमी, उ.प्र. लाल बारादरी भवन, ललित कला अकादमी मार्ग (निकट पुराना हाईकोर्ट), लखनऊ–226001 उत्तर प्रदेश होना चाहिये।
31. संबद्ध रेलवे पार्सल के बिल को तुरन्त निदेशक, राज्य ललित कला अकादमी, उ.प्र. लाल बारादरी नवन, ललित कला अकादमी मार्ग (निकट पुराना हाईकोर्ट), लखनऊ–226001 को भेजना चाहिये।

रेलभाड़े में छूट :–

32. पार्सल की निःशुल्क वापसी के लिए छपा हुआ रेलवे भाड़ा छूट फार्म संलग्न है। कलाकार इस फार्म को अवश्य भरें और जहाँ से पार्सल कर रहे हों, वहाँ के बुकिंग अधिकारी से हस्ताक्षर व मुहर लगवाएँ। यदि वजन, बाक्स की संख्या आदि के आधार पर कलाकार को आर्थिक या माल की हानि त्रुटिपूर्ण प्रक्रिया / प्रविष्टि अपनाए जाने के कारण होती है, तो अकादमी जिम्मेदार नहीं होगी।

स्थानीय तथा बाह्य स्टेशनों से प्राप्ति :–

33. प्रेषित प्रविष्टियाँ चाहे रेल, एयर मेल या डाक द्वारा हों अकादमी में निर्धारित तिथि तक पहुँचनी चाहिये।
34. केवल स्थानीय कलाकार अथवा अन्य क्षेत्रों के कलाकार प्रविष्टियों को स्वयं राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश, लाल बारादरी भवन, ललित कला अकादमी मार्ग, निकट पुराना हाईकोर्ट, लखनऊ में 20 अक्टूबर, 2024 से 30 नवम्बर, 2024 तक कार्य दिवसों में 10.30 बजे से 1.30 बजे दोपहर तक तथा दोपहर 2 बजे से 4.30 तक जमा कर सकते हैं। वापसी के लिये अग्रिम किराया भुगतान करना आवश्यक है।
35. पार्सल न प्राप्त होने की दशा में, या पार्सल के बिल न प्राप्त या देर से प्राप्त होने की दशा में, या प्रेषित माल के इधर–उधर हो जाने की दशा में, वाहक चाहे रेलवेज हो, रोडवेज़ हो या एयरवेज़ हो अकादमी जिम्मेदार न होगी।

मालभाड़ा (फ्रेट) :–

36. (I) पार्सल की निःशुल्क वापसी के लिये कलाकार नियम संख्या 32 के अनुसार छूट का लाभ उठायें।
    (II) एयर मेल या पोस्ट पार्सल से भेजी गई प्रविष्टियों का माल भाड़ा देय न होगा। बाहर के कलाकार जिन्होंने अपनी कृतियाँ (प्रविष्टियों) रेल/सड़क/एयर/पोस्ट से बिना रेल छूट सुविधा का उपयोग किए, जैसा कि नियम 32 में उल्लिखित है, भेजा है, उन्हें प्रविष्टियों की वापसी के लिए एक डिमाण्ड ड्राफ्ट निदेशक, राज्य ललित कला अकादमी, उ. प्र. के नाम उतनी ही रकम का, जो भेजते समय व्यय की गई अपने आर.आर. एयर वे बिल या शेड्यूल के साथ यदि पोस्ट से भेजा हो, भेजना होगा जो अकादमी में अंतिम तिथि या उससे पूर्व प्राप्त हो जाना चाहिए अन्यथा प्रविष्टियाँ जूरी के समक्ष प्रस्तुत नहीं की जा सकेंगी। इस संबंध में अकादमी जिस तरह चाहे उक्त प्रविष्टि / प्रविष्टियों का निपटारा कर सकती । प्रविष्टियों के खो जाने या क्षतिग्रस्त होने की दशा में अकादमी की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

बीमा :–

37. खुद से जमा किये गये प्रदर्श एक माह के अन्दर कलाकार को प्रदर्शनी समाप्ति के पश्चात वापस ले लेना होगा, अन्यथा अकादमी द्वारा उनका निपटारा किसी भी तरह से कर दिया जायेगा।
38. अकादमी द्वारा कलाकार द्वारा सूची (शेडयूल) में दिये गये या अन्य बताये पते पर प्रदर्श वापस भेज दिया जायेगा। अकादमी प्रदर्शों को वापस नहीं मंगायेगी और न कोई जिम्मेदारी लेगी, यदि कलाकार निर्धारित पते पर प्रदर्श वापस प्राप्त करने में असमर्थ है।
39. इस अवस्था में जब कलाकार पार्सल नहीं छुड़ाता है और रेल अधिकारी, बकाया वसूल करने के लिये प्रदर्शनी को नीलाम कर देते हैं और फिर भी कुछ रकम वसूली के लिये बाकी रह जाती है. कलाकार बाकी रकम के भुगतान का जिम्मेदार होगा।
40. अकादमी कृतियों की सुरक्षा व्यवस्था का पूरा प्रयास करेगी एवं सावधानी रखेगी परन्तु फिर भी किसी हानि / क्षतिपूर्ति के लिये अकादमी जिम्मेदार न होगी। कलाकार चाहें तो सुरक्षा हेतु अपनी कृतियों का बीमा स्वयं कराये।

पंचम राज्य स्तरीय व्यावहारिक कला प्रदर्शनी

2024–2025

(पोस्टर, प्रेस-लेआउट एवं फोटोग्राफी)
विषय : महाकुम्भ एवं भारतीय संस्कृति

शेडयूल, प्रविष्टि शुल्क तथा छायाचित्रों को जमा करने की तिथि

20 अक्टूबर, 2024 से 30 नवम्बर, 2024 तक

राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 द्वारा प्रयागराज महाकुम्भ-2025 के अवसर पर विविध कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे।

निदेशक

राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0

(संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश)

लाल बारादरी भवन, ललित कला अकादमी मार्ग, कैसरबाग, लखनऊ-226001

slka_up@yahoo.com www.statelalitkalaacademyup.org 0522-2616033

@slka_up State Lalit Kala Akademi